प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पंतनगर जनवाणी ने सफलतापूर्वक पूर्ण किये दस वर्ष

पंतनगर। 17 अगस्त, 2021। विश्वविद्यालय के संचार केन्द्र में संचालित हो रहे सामुदायिक रेडियो केन्द्र, पंतनगर जनवाणी, का दसवां वार्षिक समारोह नाहेप भवन के सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति, डा. तेज प्रताप, थे। इस कार्यक्रम में कुलसचिव, डा. ए.के. शुक्ला; अधिष्ठाता स्नातकोत्तर, डा. के.पी. रावेरकर; निदेशक संचार, डा. एस.के. बंसल एवं संयुक्त निदेशक संचार, डा. एम.ए. अंसारी, मंचासीन थे। इस अवसर पर अधिष्ठाता कृषि, डा. एस.के. कश्यप वर्चुअल मोड पर कार्यक्रम में उपस्थित थे।

कुलपति ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि विश्वविद्यालय का सामुदायिक रेडियो केन्द्र पंतनगर जनवाणी, पिछले दस वर्षों से कार्यक्रमों का अनवरत प्रसारण कर लोगों को जानकारियों का हस्तांतरण कर रहा है, जो इससे जुडे लोगों की लगन एवं मेहनत की वजह से ही सम्भव है। उन्होंने कहा कि पंतनगर जनवाणी विश्वविद्यालय के विकास एवं शोधों को किसानो तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभा रहा है जो कि अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि सीमित संसाधनों के साथ जनवाणी ने विगत दस वर्षों में बेहतर परिणाम प्रस्तुत किये है। उन्होंने कहा कि कोई भी संस्था दो से चार वर्षों के लिए नहीं बल्कि हजारों वर्षों के लिए शुरू की जाती हैं ऐसे ना जाने कितने उदाहरण विश्व में देखने को मिलेंगे। उन्होंने आशा जतायी की इन उदाहरणों में पंतनगर जनवाणी का भी नाम दर्ज होगा। डा. प्रताप ने कहा कि देश की तरक्की और विकास में कृषकों की अहम भूमिका रही है, वर्तमान में किसान को नवीन ज्ञान की आवश्यकता है, लेकिन परम्परागत और जैविक खेती को मद्‌देनजर रखते हुए पंतनगर जनवाणी से कल और आज के किसानों के अनुभवों को कृषकों तक साझा करना चाहिए, ताकि किसान नई परिकल्पना को धारण कर पायें।

डा. शुक्ला ने कहा कि जनवाणी अपने उत्कृष्ट कार्यक्रम एवं प्रसारण से पूरे देश में प्रसिद्ध है जोकि विश्वविद्यालय के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि पंतनगर जनवाणी कृषि कार्यक्रमों के साथ-साथ अन्य आवश्यक जानकारियों का भी प्रसारण करता है। डा. के.पी. रावेरकर ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि पंतनगर जनवाणी से लाभ लेने के लिए हमें पंतनगर जनवाणी से प्रसारित कार्यक्रमों को सुनना चाहिए और प्रसारित जानकारियों को अपनी आवश्यकता अनुसार खेती किसानी एवं अन्य कार्यों में समावेश करना चाहिए।

डा. एस.के. कश्यप ने वर्चुअल मोड द्वारा पिछले दस वर्षों में पंतनगर जनवाणी की निरंतर प्रगति की जानकारी देते हुए इसके आस-पास के समुदाय से जुड़कर उनकी प्रगति में उत्प्रेरक के रूप में कार्य करने के बारे में बताया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में डा. एस.के. बंसल ने सभी का स्वागत किया और पंतनगर जनवाणी के कार्याक्रमों एवं उसकी उपयोगिता के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में डा. एम.ए. अंसारी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के साथ-साथ आस-पास के क्षेत्रों से आये पंतनगर जनवाणी के श्रोताओं ने भी अपने विचार प्रकट किये, जिनमें श्री पद्योलोचन विश्वास, श्री के.पी. सिंह, पीएचडी छात्र डा. दीपिकेश, श्रीमती पुष्पा जोशी एवं लालजी वर्मा इत्यादि सम्मिलित थे। कार्यक्रम का संचालन श्री संजय कुमार ने किया।

पंतनगर जनवाणी के दसवें वार्षिक समारोह में कुलपति, डा. तेज प्रताप को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते संचार निदेशालय, डा. एस.के. बंसल एवं अन्य।